an>

Title: Regarding implementation of Adarsh Gram Yojana.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने के लिए मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। माननीय प्रधानमंत्री जी के आदर्श ग्राम योजना की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। ऐसा लगता है कि लोग यह समझ रहे हैं कि इस योजना को पूरा करने का कार्य केवल प्रधानमंत्री जी का है। क्योंकि, संबंधित जो केन्द्र सरकार से गैर-सरकारें राज्यों में हैं, वहां पर कैसा कार्य होगा, उसका मैं उदाहरण देता हूं।

दिल्ली के अंदर एनसीआर के गवर्नर सैंट्रल गवर्नमैंट के अंडर आते हैं। लेकिन दुख होता है कि अधिकारियों के नकारात्मक व्यवहार के कारण आदर्श ग्राम योजना में विकास होगा या नहीं। हमने दक्षिणी दिल्ली में तीन गांव ऐडॉप्ट किए थे। मैं चीफ सैक्रेटरी, डीएम को लेकर 20 सितम्बर को उस गांव में गया। मुख्य सचिव और डीएम ने वहां का जायजा लिया, आश्वासन दिया और जल्द योजना बनाने की बात कही। मुख्य सचिव ने तुरंत डीएम को आदेश भी दे दिया। हमने रिवैन्यू के लोगों के साथ मीटिंग की। 6 जनवरी को मुख्य सचिव के कार्यालय में दुबारा मीटिंग हुई। उसके बाद भी परिणाम शून्य रहा। उसके बाद कहा गया कि हम कमेटी बनाएंगे जो डैवलपमैंट करेगी। वह कमेटी आज तक नहीं बनी। मैं डैवलपमैंट कमिश्नर से चार बार बात कर चुका हूं, चीफ सैक्रेटरी के कार्यालय में बात कर चुका हूं। 4 फरवरी, 17 फरवरी, 10 अप्रैल, 21, 24 तारीख को उनके दफ्तरों में चक्कर लगा चुका हूं। अधिकारियों का व्यवहार इस प्रकार का है। कैबिनेट सैक्रेटरी डीएम को आदेश दें। ...(व्यवधान) यह प्रधान मंत्री का आदर्श ग्राम योजना का मामला है।...(व्यवधान) अगर काम ही नहीं होंगे तो कैसे बात बनेगी।...(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि कैबिनेट सैक्रेटरी उन अधिकारियों को आदेश दें। वे पोलीटिकल दबाव में कार्य नहीं कर रहे हैं, कमेटी फार्म नहीं कर रहे हैं जिससे आदर्श ग्राम योजना का सपना पूरा हो। वे अपनी इज्जत बचाते हुए उन कामों को पूरा करें। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri P.P. Chaudhary is permitted to associate with the issue raised by Shri Ramesh Bidhuri.